B.A. 5th Semester (General) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : SEC-3

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

প্রশ্নপত্রেঽস্মিন্ **Group-A** **Group-B** চেতি বিভাগদ্বয়ং বর্ততে। প্রথমতঃ পরীক্ষার্থিভিঃ সাবধানং স্বপঠিতো একো বিভাগো নিশ্চেতব্যঃ। ততশ্চ যথানির্দেশং প্রশ্নাঃ সমাধেয়াঃ।

এই প্রশ্নপত্রে **Group-A** এবং **Group-B** এই দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত একটি বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবেন।

Group-A

বিভাগ–'ক'

(Sanskrit Composition)

1. অধোনির্দিষ্টেষু প্রশ্নেষু *পञ्चप्रश्नाः* সমাধেয়াঃ। তেষু যস্য কস্যচিৎ *দ্বয়স্যোত্তরং* সংস্কৃতভাষয়া কার্যম্। 2×5=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। তাদের মধ্যে *দুটির* উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) 'হাসবিদ্যকথা' ইতি কথায়া উৎসঃ কঃ? গ্রন্থকারস্য নাম কিম্?
'হাসবিদ্যকথা' গল্পের উৎস কী? গ্রন্থকারের নাম লেখো।

(b) কিং নাম কাञ্চীনগর্য্যাঃ রাজ্ঞঃ। তত্র কতি চৌরাঃ কৈঃ ধৃতাঃ?
কাঞ্চীনগরীর রাজার নাম কী? সেখানে কতজন চোর কাদের দ্বারা ধরা পড়েছিল?

(c) 'হাসবিদ্যকথা' পদস্য কা ব্যুৎপত্তিঃ?
'হাসবিদ্যকথা' পদটির ব্যুৎপত্তিগত অর্থ লেখো।

(d) 'যূয়ং সর্বেঽপি চৌরাঃ' - কোঽত্র বক্তা? 'সর্ব' ইতি পদেন কে সূচিতাঃ?
'যূয়ং সর্বেঽপি চৌরাঃ' - বক্তা কে? 'সর্ব' পদের দ্বারা কারা সূচিত হয়েছে?

(e) বিদ্যাপতি কৃতায়াঃ কথায়াঃ নীতিবাক্যম্ উল্লিখ্যতাম্?
বিদ্যাপতিকৃতা গল্পের নীতিবাক্যটি উল্লেখ করো।

(f) 'ময়ি মৃতে কাচন মহতী বিদ্যা লোপং যাস্যতি' - কা আসীৎ মহতী বিদ্যা?
চোরের এই মহতী বিদ্যা কী ছিল?

(g) चतुर्थ चौरस्य महती विद्या प्रयोगे कस्य अधिकारः वर्तते?
চতুর্থ চোরের মহতী বিদ্যা প্রয়োগে কার অধিকার ছিল?

(h) 'व्याधिना पीड्यमानोऽपि' - इति श्लोकः व्याख्येयः।
'व्याधिना पीड्यमानोऽपि' - শ্লোকটি সংক্ষেপে ব্যাখ্যা করো।

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *द्वयस्य* उत्तरं संस्कृत भाषया प्रदेया। 5×2=10
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দুটির* উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) केन कथं वा राजकार्यं बाध्यते?
কে কীভাবে রাজকার্যে বাধা দেন?

(b) 'प्रत्यायाति यमद्वारात् प्रतीकारपरो नरः' - व्याख्यायताम्।
'প্রত্যায়াতি যমদ্বারাত্ প্রতীকারপরো নরঃ' - উক্তিটি ব্যাখ্যা করো।

(c) 'उपाये सफले रक्षा निष्फले नाधिकं मृते' - प्रसङ्गउल्लेखपूर्वकं श्लोकांशस्य तात्पर्यं व्याख्यायताम्।
প্রসঙ্গ উল্লেখ করে শ্লোকাংশটির তাৎপর্য ব্যাখ্যা করো।

(d) अस्ति दाक्षिणात्ये जनपदे महिलारोप्यं नाम नगरम्। तत्र अमरशक्तिः नाम राजा वभूव। तस्य त्रयः पुत्राः परमदुर्मेधसो वसुशक्तिरूग्रशक्तिरनेकशक्तिश्चेति नामानो बभूवः। अथ राजा तान् शास्त्रविमुखानालोक्य सचिवानाहूय प्रोवाच- भोः ज्ञातमेतद् भवद्भिः यन्ममैते पुत्राः शास्त्रविमुखा विवेकरहिताश्च। तदेतान् पश्यतो मे महदपि राज्यं न सौख्यम् आवहति।

- अनुच्छेदं पठित्वा अधोनिर्दिष्टं प्रश्नत्रयं समाधेयम्।
- অনুচ্ছেদটি পড়ে নীচের তিনটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(i) कुत्रासीत् महिलारोप्यम्?
মহিলারোপ্য কোথায় ছিল?

(ii) राज्ञः अमरशक्तेः कति पुत्रा आसन्? के ते?
রাজা অমরশক্তির কটি পুত্র ছিল? তারা কে কে?

(iii) अमरशक्तिः सचिवान् किमुवाच?
অমরশক্তি সচিবদের কী বললেন? 1+2+2=5

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु द्वयस्य उत्तरः करणीयम्। 10×2=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে দুটির উত্তর দাও।

(a) 'हासविद्यकथा' इतिकथायाः नामकरणस्य सार्थकतां निरूपयत्।
'হাসবিদ্যকথা' গল্পের নামকরণের সার্থকতা বিচার করো।

(b) चतुर्थ चौरः कथं मृत्युजयं कृतवान्? तदनन्तरं राजा तेन सह किं कृतवान्?
চতুর্থ চোরটি কীভাবে মৃত্যুকে জয় করেছিল? তারপর রাজা তার সাথে কী করেছিলেন?

(c) निबन्धमेकं लिखत।
একটি নিবন্ধ লেখো ঃ

(i) परिवेशः

(ii) प्रियः देशनेता

(d) अस्ति कस्मिंश्चित् समुद्रोपकण्ठे महान् जम्बुपादपः सदाफलः। तत्र च रक्तमुखो नाम वानरः प्रतिवसति स्म। अथ कदाचित् तस्य तरोरधस्तात् करालमुखो नाम मकरः समुद्रसलिलान्निष्क्रम्य सुकोमल वालुकासनाथे तीरोपान्ते न्यविशत। ततश्च रक्तमुखेन स प्रोक्तः - भोः! भवान् समभ्यागतो मेऽतिथिः। तद् भक्षयतु मया दत्तान्यमृतकल्पानि जम्बुफलानि। एवमुक्त्वा तस्मै जम्बुफलानि ददौ। सोऽपि तानि भक्षयित्वा तेन सह चिरं गोष्ठीसुखमनुभूय भूयोऽपि स्वभवनं गतः। एवं नित्यमेव तौ वानरमकरौ जम्बुच्छायाश्रितौ विविधालापेन कालं नयन्तौ सुखेन तिष्ठतः।

अनुच्छेदं पठित्वा अधोनिर्दिष्टं प्रश्नानां समाधेयम्।

অনুচ্ছেদটি পড়ে নীচের প্রশ্নগুলির উত্তর দাও।

(i) जम्बुपादपः कीदृशः? वानरः कुत्र वसति स्म?

(ii) वानरस्य नाम किम्? करालमुखः कस्य नाम?

(iii) करालमुखः कुतः समागतः कुत्र च न्यविशत?

(iv) वानरः करालमुखं किमुक्तवान्?

(v) जम्बुफलानि खादित्वा मकरः किमकरोत्? 2+2+2+2+2=10

अथवा,

Group-B

'ख'-विभाग

(Basic Sanskrit — part-II)

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु *पञ्चप्रश्नाः* समाधेयाः। तेषु यस्य कस्यचित् *द्वयस्योत्तरं* संस्कृतभाषया कार्यम्। 2×5=10

নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে *পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। তাদের মধ্যে *দুটির* উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) 'चतुर्णां पण्डितमूर्खानां कथा' इति कथायाः उत्सः कः? ग्रन्थकारस्य नाम किम्?

'चतुर्णां पण्डितमूर्खानां कथा' গল্পের উৎস কী? গ্রন্থকারের নাম কী?

(b) कान्यकुब्जस्य वर्तमानं नाम किम्? तत्र ते कति वत्सरान् विद्यालाभं कृतवन्तः?

কান্যকুব্জের বর্তমান নাম কী? তারা সেখানে কতবছর বিদ্যালাভ করেছিল?

(c) 'केन मार्गेण गच्छामः - कः कदा केन प्रसङ्गेन एवमुक्तवान्?

'केन मार्गेण गच्छामः - কে কখন কোন প্রসঙ্গে বলেছে?

(d) 'इष्टं धर्मेण योजयेत्' - कः कदा एवमुक्तवान्? तत्परं किं कृतवान्?

'इष्टं धर्मेण योजयेत्' - কে কখন একথা বলেছিল? তারপর কী করেছিল?

(e) महाभारतम् - इति महाकाव्यस्य रचयिता कः? अत्र कति पर्वाणिसन्ति?

মহাভারতম্ মহাকাব্যের রচয়িতা কে? এখানে কতগুলি পর্ব আছে?

(f) किं नाम श्रेष्ठं संस्कृत ऐतिहासिकं काव्यम्? अस्य रचयिता कः?

শ্রেষ্ঠ সংস্কৃত ঐতিহাসিক কাব্যের নাম কী? রচয়িতার নাম লেখো।

(g) नारायणशर्मा विरचितस्य गल्पग्रन्थस्य नाम किम्? अस्य अध्ययानां नामानि लिख्यन्ताम्।

নারায়ণ শর্মা বিরচিত গল্পগ্রন্থের নাম কী? এর অধ্যায়গুলির নাম লেখো।

(h) को नाम पञ्चतन्त्रस्य रचयिता? अस्य तन्त्राणां नामानि लिख्यन्ताम्?

পঞ্চতন্ত্রের রচয়িতা কে? তন্ত্রগুলির নাম লেখো।

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *द्वयस्य* उत्तरं संस्कृत भाषया प्रदेया। 5×2=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দুটির* উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या : 2+3=5

সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করো ঃ

'सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्धं त्यजति पण्डितः'

(b) 'दीर्घसूत्री विनश्यति' - कोऽत्र वक्ता? सः कदा एवमुक्तवान्? अस्य प्रवादस्य तात्पर्यं किम्? वक्ता किमर्थं कृतवान्? 1+1+1+2=5

'दीर्घसूत्री विनश्यति' - এখানে বক্তা কে? তিনি কখন একথা বলেছিলেন? এই প্রবাদের তাৎপর্য কী? বক্তা কী অর্থ করেছিলেন?

(c) संक्षिप्त टीका कार्या - श्रीमद्भगवद्गीता।

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার উপর সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো।

(d) 'रामायणम्' - इति महाकाव्यस्य रचनाकालः लिख्यताम्।

রামায়ণের রচনাকাল সম্পর্কে লেখো।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु द्वयस्य उत्तरं करणीयम्। 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে দুটির উত্তর দাও।

(a) 'चतुर्णां पण्डितमूर्खाणां कथा' - इति नामकरणस्य सार्थकतां निरूपयत्।

'চতুর্ণাং পণ্ডিতমূর্খাণাং কথা' — গল্পের নাম-করণের সার্থকতা লেখো।

(b) 'आगमिष्यति यत् पत्रं तारयिष्यति' - कः केन प्रसङ्गेन एवमुक्त्ववान्? एवमुक्त्वा सः किं कृतवान्? तस्य परिणामं वर्णयतु? 2+3+5=10

'আগমিষ্যতি যত্ পত্রং তারয়িষ্যতি' - কে কোন প্রসঙ্গে একথা বলেছিল? এই কথা বলে সে কী করে ছিল? তার পরিণাম বর্ণনা করো।

(c) टीका लेख्या : 5+5=10

টীকা লেখো ঃ

(i) हर्षचरितम्

(ii) कथासरित्सागरः

(d) समाजि साहित्ये च महाभारतस्य प्रभावः लेखनीयः।

সমাজ ও সাহিত্যে মহাভারতের সম্পর্কে নিবন্ধ লেখো।